2024 III 09 1100 -N 583- HINDI (COMPOSITE) (B) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H)

(REVISED COURSE)

Time : 2 Hours **(Pages 11)** **Max. Marks : 40**

सूचनाएँ :– (1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1—गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **6**

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राघवेंद्र पत्नी-बच्चों सहित अपने पैतृक कस्बे में आया हुआ है। नौकरी से छुट्टियाँ न मिल पाने की मजबूरी के चलते वह चाहकर भी हफ्ता-दस दिन से ज्यादा यहाँ नहीं रुक पाता है लेकिन उसकी इच्छा रहती है कि अम्मा-बाबू जी पूरे साल नहीं तो साल में दो-तीन महीने तो उसके साथ मुंबई में जरूर रहें। बच्चों को

संयुक्त परिवार मिले, दादा-दादी का भरपूर प्यार मिले। अनिता, उसकी पत्नी भी यही चाहती है। यही सोचकर उन्होंने पाँच कमरों का फ्लैट खरीदा है पर न जाने क्यों अम्मा-बाबू जी वहाँ बहुत कम जाते हैं। साल भर में एकाध बार, वह भी चंद दिनों के लिए।

"बाबू जी, आप और अम्मा चार-छह दिनों के लिए नहीं, चार-छह महीनों के लिए आया कीजिए। इतनी जल्दी लौट जाते हैं तो मन कचोटने-सा लगता है।"

(1) उत्तर लिखिए :

(*i*) राघवेंद्र की चाहत–

(1) .....

(2) .....

(*ii*) राघवेंद्र की मजबूरी–

(1) .....

(2) .....

(2) (*i*) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए

(1) अनिच्छा × .....

(2) बेचना × .....

(*ii*) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानिए : 1

(1) पति – .....

(2) दादी – .....

(3) 'संयुक्त परिवार' इस विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **6**

मंत्री : महाराज, लोगों की पहली शिकायत यही है कि पानी अब निर्मल नहीं रहा है। यह नदियों और गह्वरों में बहते समय गंदगी और बीमारियाँ अपने साथ बहाकर सब जगह पहुँचा देता है।

पानी : महाराज, ये लोग पहले की तरह पानी की रखवाली नहीं करते हैं। पशुओं को जोहड़ के भीतर तैरने छोड़ जाते हैं। पशु अपनी गंदगी तालाब में छोड़ जाते हैं। गाँव की दूसरी गंदगी भी तालाब में फेंक दी जाती हैं। नदियों में कारखानों की गंदगी व शहर के गंदे नाले का पानी छोड़ा जाता है। महाराज, मैं अपने आप गंदा नहीं होता। मुझसे शिकायत करने वाले ही गंदा और दूषित करते हैं।

महाराज : भाइयो, आपके पास इसका क्या जवाब है ? (लोग आपस में फुस-फुसाकर बातें करते हैं, फिर उनमें से एक बोलता है।)

एक : महाराज, यह तो मान लिया पर कहीं बरसना, कहीं नहीं बरसना, यह तो इस पानी की मनमानी है।

4/N 583

(1) आकृति पूर्ण कीजिए : 2

पानी के संबंध में लोगों की पहली शिकायत

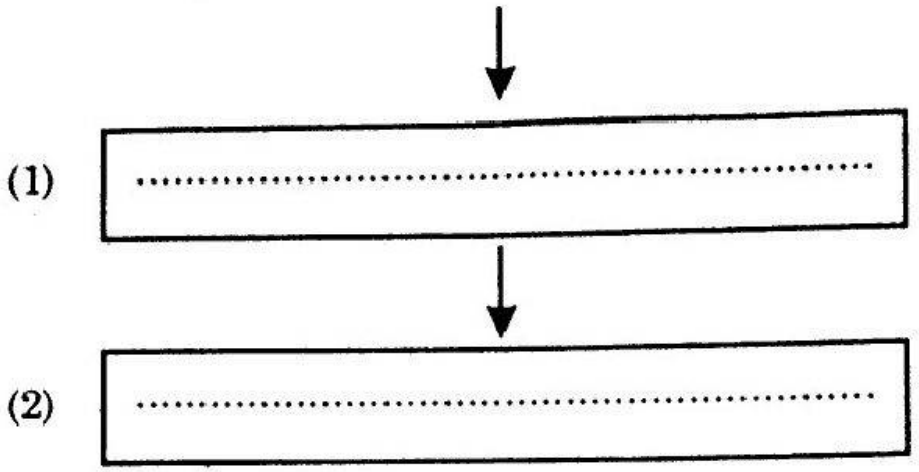

(2) (*i*) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त समानार्थी शब्द लिखिए : 1

(1) जानवर – .....

(2) गड्ढा – .....

(*ii*) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए : 1

(1) बीमारी – .....

(2) कारखाने – .....

(3) 'प्रदूषण के दुष्परिणाम' विषय पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए। 2

विभाग 2—पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 4

लाली मेरे लाल की, जित देखों तित लाल।
लाली देखन मैं गई, मैं भी हो गई लाल॥

कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूँढ़े बन माहिं।
ऐसे घट में पीव है, दुनिया जानै नाहिं॥

जिन ढूँढ़ा तिन पाइयाँ, गहिरे पानी पैठ।
जो बौरा डूबन डरा, रहा किनारे बैठ॥

जो तोको काँटा बुवै, ताहि बोउ तू फूल।
तोहि फूल को फूल है, बाको है तिरसूल॥

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए : 2

	अ	उत्तर	आ
1.	कस्तूरी	.....	परमात्मा
2.	काँटा	.....	फूल
3.	लाल	.....	मृग
4.	बौरा	.....	पानी
			किनारा

(2) पद्यांश के अंतिम दोहे का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। 2

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 4

क्षमामयी, तू दयामयी है, क्षेममयी है,
सुधामयी, वात्सल्यमयी, तू प्रेममयी है।
विभवशालिनी, विश्वपालिनी, दुखहर्ती है,
भयनिवारिणी, शांतिकारिणी, सुखकर्ती है।
हे शरणदायिनी देवी तू, करती सबका त्राण है।
हे मातृभूमि संतान हम, तू जननी, तू प्राण है॥

(1) कृति पूर्ण कीजिए : 2

जन्मभूमि की विशेषताएँ

(1) .....

(2) .....

(3) .....

(4) .....

(2) पद्यांश की किन्हीं **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। 2

विभाग 3—भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

8

3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए : 1

(*i*) मस्तिष्क / मसतिश्क / मसतीश्क / मकसिष्क

(*ii*) विद्यापीठ / विद्यापीठ / विद्यापिठ / विदयपीठ

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

(*i*) कभी-कभी

(*ii*) पास

(3) कृति पूर्ण कीजिए : 1

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
.....	सदा + एव	.....
अथवा		
संतोष	.....	.....

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए : 1

(फूला न समाना, दंग रह जाना)

बेला के सफेद-सफेद फूलों को देखकर लेखक बहुत प्रसन्न हो गए।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

आँखें खुली रह जाना — https://www.maharashtrastudy.com

(5) कालभेद पहचानिए तथा काल परिवर्तन कीजिए : 2

(i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए : 1

गाँव वाले भी खूब परिश्रम करेंगे।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए : 1

(1) एक-दूसरे से जुदा होकर पूरे डिब्बों के चक्कर काटने लगेंगे।

(अपूर्ण वर्तमानकाल)

(2) मुझसे बात नहीं करते हैं।

(पूर्ण भूतकाल)

(6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन : 2

(*i*) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए : 1

मजे की बात यह है कि एक समाचारपत्र के कितने उपयोग हो सकते हैं।

(*ii*) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए : 1

यह एक भोले इनसान का विश्वास था। (निषेधार्थक वाक्य)

विभाग 4—रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना — आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है। 12

4. (अ) (1) **पत्रलेखन :** 4

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए :

राजेश/रजनी पाटील, 105 'स्वागत' नेताजी मार्ग, बीड से स्वच्छता का महत्व समझाते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

सुरेश/सविता पांडे, 51, गुलमोहर नगर, नाशिक से अपने विभाग के महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडल के उप-अभियंता के नाम पत्र लिखकर इस महीने का बिजली का बिल कुछ अधिक रकम का आने की शिकायत करता/करती है।

(2) **गद्य आकलन : प्रश्न निर्मिति :** 4

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में **एक-एक** वाक्य में हों।

महात्मा गाँधी ने पुस्तकों को व्यक्ति का सच्चा मित्र कहा है। पुस्तकों से अधिक आनंद और कहीं, किसी वस्तु में नहीं है। पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं। पुस्तकों में समाज पर प्रभाव डालने की अद्‌भुत क्षमता होती है। पुस्तक में ऐसी शक्ति होती है कि वह सोए देश में जागृति मंत्र फूँक दे, कमजोर मानव को बल दे, राजनेताओं पर अंकुश रखे। रूसो की पुस्तक फ्रांस में क्रांति का कारण बनी। लेनिन की पुस्तक रूस में मार्गदर्शक बनी तो गाँधी के विचार भारत को स्वतंत्र करा गए। इस प्रकार हम देखते हैं कि पुस्तकें पलभर में बादशाहत को पलटने की क्षमता रखती हैं। पुस्तकें लेखकों को अमर बना देती हैं। हम आज भी सूर, तुलसी, वाल्मीकि का नाम बहुत श्रद्‌धा से लेते हैं। पुस्तकें अकेलेपन की साथी भी हैं; क्योंकि ये अकेलेपन को भुलाए रहती हैं।

अथवा

विज्ञापन लेखन :

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :

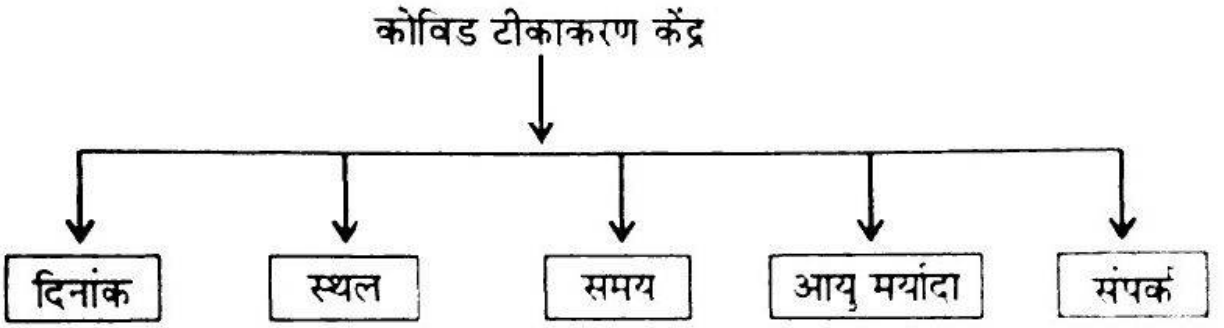

(आ) निबंध लेखन : 4

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए :

(1) मेरा प्रिय नेता

(2) पाठ्यपुस्तक की आत्मकथा